

ये कैसा नाता है | by Sona Jadhav

इतना बता दे मुझको बाबा ये कैसा नाता है
क्यों मुझपे तू इतना अपना प्रेम लुटाता है
इतना बता दे

होती है तकलीफ कभी जो आँखें रोती हैं
बहते आंसू पोंछ के मेरे हंसना सिखाता है
क्यों मुझपे तू इतना अपना प्रेम लुटाता है
इतना बता दे

दुनिया की ठोकर से मुझको गिरने दिया ना कभी
थाम के बाँहें मेरे मुझको चलना सिखाता है
क्यों मुझपे तू इतना अपना प्रेम लुटाता है
इतना बता दे

क्यों ना इतराऊँ मैं कुंदन किस्मत पे अपनी
खाटू वाला मेरा मालिक मेरा दाता है
क्यों मुझपे तू इतना अपना प्रेम लुटाता है
इतना बता दे

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%af%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%88%e0%a4%b8%e0%a4%be-%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a4%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-sona-jadhav/>